कक्षा- पाँचवी पाठ-१,२
विषय- हिन्दी

पाठ-१ राख की रस्सी

* कठिन शब्द

१-हाजिरजवाबी २-होशियार
३-जौ ४-हल
५-मुश्किल ६-तरीका
७-प्रस्ताव

* शब्दार्थ

१-हाजिरजवाबी-तुरंत उत्तर देना २-होशियार-चालाक
३-जौ-गेहूँ की तरह का एक खाद्य पदार्थ ४-हल-समस्या
६-मुश्किल-कठिन ७-तरीका-उपाय
८-प्रस्ताव-सुझाव,पेशकश ९-सम्मुख-सामने

* अतिलघ उत्तरीय प्रश्न

१-लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को कहाँ के लिए रवाना किया?
उ-लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को शहर के लिए रवाना किया।
२-लोनपो के पुत्र को किसे मारने या बेचने की आज्ञा नहीं थी?
उ-लोनपो के पुत्र को भेडो को मारने या बेचने की आज्ञा नहीं थी।
३-भेडों के बाल बेचना किसे पसंद नहीं आया?
उ-भेडों के बाल बेचना लोनपो को पसंद नहीं आया।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१-लोनपो कौन थे? वह क्यों प्रसिदध थे?
उ-लोनपो तिब्बत के बत्तीसवें राजा सौनगवसेन गांपो के मंत्री थे। वे अपनी चालाकी और हाजिरजवाबी के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे।
२-लोनपो किसके कारण चिंतित थे और क्यों?
उ-लोनपो अपने बेटे के कारण चिंतित थे क्योंकि वह बहुत भोला था।
३-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही क्यों चुना?
उ-क्योंकि उसे यकीन था कि वह लड़की उसकी मदद के लिए वहाँ जरूर आएगी।

४-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार ने क्या किया?

उ-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपो गार उठकर कमरे से बाहर चले गए।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-पहली बार शहर जाकर लोनपो का पुत्र क्यों दुखी था तथा उसकी मदद किसने की?

उ-लोनपो का बेटा शहर पहुँचा। मगर सौ बोरे जौ खरीदने के लिए उसके पास पैस नहीं थे।कोई हल उसकी समझ में ही नहीं आ रहा था।वह बहुत दुखी था तथा उसकी मदद एक लड़की ने की।

२-लोनपो किसके कारण चिंतित थे और क्यों?

उ-लोनपो अपने बेटे के कारण चिंतित थे क्योंकि वह बहुत भोला था।

३-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही क्यों चुना?

उ-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही चुना क्योंकि उसे यकीन था की वह लड़की उसकी मदद के लिए जरूर आएगी।

४-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार ने क्या किया?

उ-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार उठकर कमरे से बाहर चले गए।

(व्याकरण-विभाग)

* **संज्ञा-** कसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को ही संज्ञा कहते हैं।
जैसे -मनुष्य जाति, अमेरिका, भारत स्थान, बचपन, मठासभाव, कताब, टेबल, वस्तु आदि।

*** संज्ञा के भेद-**

१) व्यक्तिवाचक संज्ञा- जो शब्द केवल एक व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं उन शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भारत, चीन स्थान, कताब, साइ कल,वस्तु, सुरेश, रमेश, महात्मागाँधी व्यक्ति आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण-

- रमेश बाहर खेल रहा है।
- महेंद्र संह धोनी क्रकेट खेलते हैं।
- मैं भारत में रहता हूँ।
- महाभारत एक महान ग्रन्थ है।
- अ मताभ बच्चन कलाकार हैं।

२) जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द कसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

- जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि।
- जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण-
- स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।
- बिल्ली चूहे खाती है।
- पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं।

३) भाववाचक संज्ञा– जो शब्द कसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–बचपन, बुढापा, मोटापा, मठास आदि।

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण–

ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।

- लगातार परिश्रम करने से सफलता मलेगी।

(लेखन–विभाग)

अनुच्छेद लेखन

अनुशासन–

- "अनुशासन" शब्द का अर्थ है किसी विशेष नियम के अनुसार कार्य करना। अपने को वश में करना अनुशासन कहलाता है।स्पष्ट है कि अनुशासित और नियमित व्यवहार सुखदायी होता है। कुछ लोगों का विचार है कि माता–पिता और गुरुओं की आज्ञा का पालन करना भी अनुशासन में गिना जाता है। नियमपूर्वक जीवन बिताना अर्था त्समय पर सोना, समय पर जागना, समय पर भोजन करना, समय पर सैर करना, समय पर खेलना, समय पर स्कूलजाना आदि अनुशासन में ही गिने जाते हैं।अध्यापक के अनुशासित चरित्र से विद्यार्थी अध्यापक को सम्मान ही नहीं देता है अपितु उसे अपना आदर्श भी मानता है। किसी भी व्यक्ति के लिए अनुशासन सदैव लाभदाय कही होता है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के बिना सफल जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज देखने में आता है किस ₹माज के प्रत्येवर्ग में अनुशासन ही घर किए हुए है। इसका पहला कारण माता–पिता है जो आरम्भ से ही बच्चों को अनुशासन की शिक्षा नहीं देते। अनुशासन हीनता का दूसरा बड़ा कारण हमारी शिक्षा प्रणाली है। आज स्कूल और कॉलजों में पढ़नेवाले विद्यार्थी स्वयं ही अपने विद्यालय के भवन को आग लगाते हैं और तोड़–फोड़ करते हैं। यह स्थिति चिन्तनीय है।देश की सम्पत्ति को नष्ट करने का अर्थ स्वयं को ही नष्ट करना है।अनुशासन प्रत्येक मानव और प्रत्येक प्राणी के लिए आवश्यक है। इससे शान्ति बनी रहती है और समाज समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

*** स्वाध्याय– संज्ञा को पहचानकर लिखिए।**

१–रामायण २–छात्र ३–रंगत

४–गोपी ५–उदास

*** गतिविधि– लोनपोगार और भेड़ों का चित्र बनाए अथवा चिपकाए।**

पाठ-२ फ़सलों के त्योहार

*** कठिन शब्द**

१-बोरसी
२-चाँपाकल
३-सैलाब
४-कतार
५-प्रांत
६-घुघुतियाँ

*** शब्दार्थ**

१-बोरसी-मिटटी से निर्मित एक प्रकार का बर्तन
२-घुघुतिया-कुमाऊ का त्योहार
३-सैलाब-भीड़
४-कतार-लाईन
५-प्रांत-देश
६-अंदाज-तरीका
७-इकटठ-समूह
८-सूर्य-सूरज, रवि
९-त्यौहार-पर्व

*** अतिलघु प्रश्न उत्तर**

१-दादी क बाल कैसे लग रहे थे?
उ-दादी के बाल सफ़ेद रुई जैसे लग रहे थे।
२-तिलकुट किन चीज़ो से बनाया जाता है?
उ-तिलकुट गुड़ और तिल से बनाया जाता है।
३-सरहुल में चंदे में कौन-कौन सी चीज़े माँगी जाती हैं?
उ-सरहुल में चंदे में मुर्गा, चावल और मिश्री माँगी जाती है।
४-पोंगल के दिन घरों में कौन-कौन सी फ़सले काटकर लाई जाती हैं?
उ-पोंगल के दिन घरों में खरीफ़ की फ़सलें, चावल, अरहर आदि काटकर लाई जाती हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खिचड़ी के त्योहार के दिन केले के पत्तों पर क्या-क्या रखा गया था?
उ-खिचड़ी के त्योहार क दिन केल के पत्तों पर तिल, गुड़, चावल रखा गया था।
२-सरहुल का साल के वृक्ष से क्या संबंध है?
उ-सरहुल क दिन विशेष रूप से साल के पेड़ को पूजा की जाती है। यही समय है जब साल क पेड़ो में फूल आन लगत हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता हैं।
३-पोंगल कैस मनाया जाता है?
उ-तमिलनाडु में मकर-संक्रांति या फ़सलों से जुड़ा त्यौहार "पोंगल"के रूप में मानया जाता है। हर घर में मिटटी का नया मटका लाया जाता है। जिसमें नए चावल, दूध और गुड़ डालकर उसे पकान के लिए धूप में रख देत है। जैसे ही दूध में उफान आता है दूध-चावल मटके से बाहर गिरने लगता है तो "पोंगला-पोंगल, पोंगला-पोंगल"के स्वर सुनाई देते ह।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-खेती और फ़सलो से जुड़े कौन-कौन से त्योहार किन-किन प्रांतों में मनाए जाते हैं?
उ-केरल-ओणम
पंजाब-लोहड़ी
तमिलनाडु-पोंगल
झारखंड-सरहुल

गुजरात-मकरसंक्रांति असम-बिहु

कुमाऊँ-घुघुतिया बिहार-संक्रांति

२-मकर संक्रांति के दिन किस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता ह और क्यों?

उ-मकर संक्रांति क दिन गुजरात में पतंगो को सर्वाधिक महत्व दिया जाता हैं। प्रत्येक गुजराती चाह वह किसी भी धर्म, जाति या आयु का हो, पतंग उड़ाता है। हज़ारों-लाखो पतंगो से सूर्य भी ढक-सा जाता हैं।

(व्याकरण-विभाग)

१) द्रव्यवाचक संज्ञा- जो शब्द कसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- कोयला, पानी, तेल, घी आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक कलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।

२) समुदायवाचक संज्ञा- जिन संज्ञा शब्दों से कसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्दों को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भीड़, पुस्तकालय, झुंड, सेना आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।

(लेखन-विभाग)

निबंध

* भारतीय त्योहार

-भारत त्योहारों का देश है। हमारे देश में भन्न भन्न धर्म एवं जाति संप्रदाय के लोग निवास करते हैं। भारत के त्योहार इसकी संस्कृति की महानता को उजागर करते हैं। भन्न भन्न जातियों, भाषाओं, प्रातों व भन्न भन्न सम्प्रदायों द्वारा एक साथ त्योहार मनाने से पारस्परिक सौहार्द एवं स्नेह की भावनायें पुनर्जी वत होती हैं। हमारे त्योहार अ धकतर ऋतुचक्र के अनुसार मनाये जाते हैं।

-सभी त्योहार जनमानस को खु शयाँ, उल्लास व उत्साह प्रदान करते हैं। रक्षाबन्धनका त्योहार भाई बहन के सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाता है और भाई जीवनभर बहन की रक्षा का वचन लेता है। वजयदशमी बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। दीपावली में दीपों के साथ हमारे जीवन में भी नयी रोशनी जागृत होती है।मुस्लमान भाईयों की ईद, मुहर्रम, सक्खों की बैसाखी, लोहड़ी, ईसाईयों का क्रसमस सभी त्योहार समाज में नवीनता एवं खु शयाँ लाते हैं।

-मनुष्य के जीवन की नीरसता को दूर करते हैं और लोगों को दान द क्षणा आदि सत्कर्म करने की प्रेरणा देते हैं।स्वतंत्रतादिवस, गणतंत्रदिवस, गाँधीजयन्ती इत्यादि राष्ट्रीय त्योहार पूरे राष्ट्र में प्रतिवर्ष एक ही दिन हम सब मलकर मनाते हैं जिससे राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होती है एवं आपसी एकता

भी मजबूत होती है। ये त्योहार हमारी भारतीय संस्कृति के गौरव हैं। हमारे ये त्योहार हमारी पहचान हैं। अतःहमें इनको मलजुलकर प वत्रता व सहृदयता से मनाना चाहिये।

*** गतिविधि–अलग–अलग राज्यों के त्योंहार के चित्र चिपकाओ अथवा बनाओ।**